कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत पिछले कुछ समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में चल रही हैं. फैंस उनकी इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं. अभी इस फिल्म की रिलीज में कुछ दिन का समय बाकी है, लेकिन उससे पहले मेकर्स ने ट्रेलर वीडियो रिलीज करते हुए इस फिल्म की एक छोटी सी झलक दिखा दी है. 2 जून की शाम 'भारत भाग्य विधाता' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें बताया गया कि ये फिल्म सच्ची घटना से प्रेरित है. मनोज तापडिया ने 'भारत भाग्य विधाता' की कहानी लिखी है और वो ही इसके डायरेक्टर हैं. इस फिल्म की कहानी साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले की घटना से प्रेरित बताई जा रही है. आतंकियों ने उस समय कामा अस्पताल पर भी हमला किया था. अस्पताल में कई गार्ड्स की हत्या भी कर दी थी. उस समय उस अस्पताल की नर्सों ने बहादुरी की मिसाल को पेश की थी और स्थिति को संभाला था. जो ट्रेलर सामने आया उसमें बताया गया है कि हमले के दौरान नर्सों ने अपनी सूझबूझ और बहादुरी से 400 लोगों की जान बचाई थी. उन नर्सों के पास कोई हथियार नहीं था, लेकिन हिम्मत थी. कंगना रनौत भी इस फिल्म में एक नर्स की भूमिका में नजर आने वाली हैं. इस ट्रेलर में फिल्म को लेकर अभी ज्यादा कुछ नहीं दिखाया गया. इस फिल्म में कंगना के साथ गिरिजा ओक, ईशा डे, आशा शेलार और जाहिद खान जैसे स्टार्स भी नजर आने वाले हैं.

कंगना के तमाम चाहने वालों को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार कुछ ही दिनों में पूरा होने वाला है. 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को थिएटर्स में दस्तक देगी. कंगना इस फिल्म में एक्टिंग तो कर ही रही हैं, साथ ही वो इस फिल्म से बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़ी हुई हैं.

कंगना ने अपनी कंपनी मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले पेन स्टूडियोज के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है.

ट्रेलर रिलीज के साथ छाई कॉकटेल 2

फिल्म 'कॉकटेल 2' का ट्रेलर रिलीज होते ही इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया है. शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की तिकड़ी पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आने वाली है, जिसे लेकर फैंस पहले से ही उत्साहित थे. ट्रेलर ने इस उत्साह को और बढ़ा दिया है.

ट्रेलर में एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है, जिसमें प्यार, दोस्ती और रिश्तों की उलझनें प्रमुख भूमिका निभाती हैं. फिल्म आधुनिक समय के रिश्तों को दर्शाती है, जहां भावनाएं गहरी हैं लेकिन फैसले अक्सर कन्फ्यूजन से भरे होते हैं. यही बात इसे दर्शकों के लिए और भी रिलेटेबल बनाती है. सोशल मीडिया पर यूजर्स ने ट्रेलर को लेकर अपनी-अपनी राय साझा की है. एक यूजर ने लिखा कि फिल्म आज के जमाने के प्यार और उसके उतार-चढ़ाव को बहुत अच्छे से दिखाती है.

निखिल का स्वयंभू में दमदार अवतार

अभिनेता निखिल सिद्धार्थ एक बार फिर अपने फैंस को सरप्राइज देने के लिए तैयार हैं. 'कार्तिकेय 2' की सफलता के बाद अब उनकी अगली फिल्म 'स्वयंभू' को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है. यह फिल्म न सिर्फ अपने विषय के कारण खास है, बल्कि इसमें निखिल का अब तक का सबसे अलग और पावरफुल अवतार देखने को मिलने वाला है.

फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था. इसके बाद फिल्म का पहला सिंगल 'रा रा धीवरा' सामने आया, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को और बढ़ा दिया. गाने के विजुअल्स और म्यूजिक ने यह संकेत दे दिया है कि फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें भव्यता की कोई कमी नहीं होगी. स्वयंभू में निखिल का ट्रांसफॉर्मेशन खास चर्चा में है. उन्होंने अपने किरदार के लिए जबरदस्त फिजिकल और इमोशनल तैयारी की है. उनका नया लुक काफी इंटेंस और प्रभावशाली नजर आ रहा है, जो दर्शकों को एक अलग अनुभव देने का वादा करता है.

आज के दौर में जहां दर्शक नई और अलग कहानियों की तलाश में रहते हैं, 'स्वयंभू' उसी दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है. फिल्म में पौराणिक तत्वों, एक्शन और ड्रामा का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा. फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह के प्रयोग अब तेजी से बढ़ रहे हैं, और 'स्वयंभू' इस ट्रेंड को और मजबूत करने का काम कर सकती है. निखिल सिद्धार्थ की यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर के लिए अहम है, बल्कि यह दर्शकों को भी एक नया सिनेमाई अनुभव देने वाली है. 'कार्तिकेय' के बाद अब 'स्वयंभू' एक नई कहानी, नए अंदाज और जबरदस्त विजुअल्स के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है.

टेलीविजन हलचल

तारक मेहता में हुई जमील जमाली की एंट्री

टीवी की दुनिया में कुछ किरदार ऐसे होते हैं, जो पर्दे पर आते ही दर्शकों के दिलों में बस जाते हैं. वहीं कुछ किरदारों की पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ जाती है कि उनका असर दूसरे शोज तक पहुंच जाता है. इन दिनों कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है, जहां 'धुरंधर 2' के चर्चित किरदार जमील जमाली का नाम अब टीवी के सबसे पसंदीदा कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में भी गूंजने लगा है. अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो रिलीज हो चुका है. गोकुलधाम सोसाइटी में वैसे तो रोज कोई न कोई मजेदार घटना होती रहती है, लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग है. सोसाइटी के लोगों को अचानक एक ऐसा शख्स दिखाई देता है, जिसकी शक्ल मशहूर जमील जमाली से हूबहू मिलती है. बस फिर क्या था, देखते ही देखते अफवाहों का बाजार गर्म हो जाता है. कोई उसे सेलिब्रिटी समझ बैठता है तो कोई उसके पीछे की कहानी जानने के लिए उत्सुक हो जाता है. दिलचस्प बात ये है कि ये शख्स कोई और नहीं बल्कि बाबूलाल है, जो तारक मेहता के बॉस हैं और जिनका किरदार दिग्गज एक्टर राकेश बेदी निभाते हैं. राकेश बेदी साल 2020 से शो में बाबूलाल के रोल में नजर आ रहे हैं और अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का मनोरंजन करते आए हैं. शो के इस अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो देखने के बाद से लोगों में काफी एक्साइटमेंट है.

खतरों के खिलाड़ी 15 का नया प्रोमो रिलीज

स्टंट और एडवेंचर से भरपूर रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 इस बार अपने नए और ज्यादा चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट के साथ वापसी कर रहा है. शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने हाल ही में एक नया प्रोमो शेयर करते हुए इसे 'क्रेज़ी सीज़न' बताया है. उन्होंने कहा कि इस बार दर्शकों को रॉ और रियल स्टंट्स देखने को मिलेंगे, यानी हर चुनौती पहले से ज्यादा असली और खतरनाक होगी. प्रोमो में दिखाए गए बिहाइंड-द-सीन्स फुटेज ने यह साफ कर दिया है कि इस बार शो में ग्लैमर से ज्यादा ग्रिट और साहस देखने को मिलेगा. कंटेस्टेंट्स को न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी खुद को साबित करना होगा. ऊंचाई, पानी, आग और जंगली परिस्थितियों के बीच किए जाने वाले स्टंट्स इस बार और भी कठिन बनाए गए हैं. इस सीज़न की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केप टाउन में हो रही है, जो अपने खतरनाक लोकेशन्स और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए जाना जाता है. यही वजह है कि शो के मेकर्स हर साल इस जगह को चुनते हैं, ताकि कंटेस्टेंट्स को रियल और चुनौतीपूर्ण माहौल मिल सके. रोहित शेट्टी, जो अपनी एक्शन फिल्मों और स्टंट्स के लिए जाने जाते हैं, हमेशा इस शो में नया ट्विस्ट लाने की कोशिश करते हैं.

52 की उम्र में फिटनेस क्वीन मलाइका

बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में गिनी जाने वाली मलाइका अरोरा 52 की उम्र में भी अपनी फिटनेस और खूबसूरती से लोगों को हैरान कर देती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो अक्सर चर्चा का विषय बन जाते हैं. कई लोग जानना चाहते हैं कि आखिर ऐसा क्या है जो उन्हें बढ़ती उम्र में भी इतना युवा, ऊर्जावान और फिट बनाए हुए है.

मलाइका की फिटनेस का सबसे बड़ा मंत्र है अनुशासन. वह नियमित रूप से योग, स्ट्रेचिंग, पिलाटेस और वर्कआउट को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाती हैं. अभिनेत्री कई बार बता चुकी हैं कि फिट रहने के लिए केवल जिम जाना ही जरूरी नहीं, बल्कि शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. यही वजह है कि वह योग को अपनी लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा मानती हैं. खानपान की बात करें तो मलाइका संतुलित और पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देती हैं. वह दिन की शुरुआत गुनगुने पानी, नींबू या हेल्दी ड्रिंक से करती हैं. उनकी डाइट में ताजे फल, हरी सब्जियां, सलाद, दालें, प्रोटीन और घर का बना भोजन शामिल होता है. प्रोसेस्ड फूड, अधिक चीनी और जंक फूड से वह दूरी बनाए रखती हैं. साथ ही पूरे दिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी उनकी आदतों में शामिल है. मलाइका इंटरमिटेंट फास्टिंग और पोर्शन कंट्रोल पर भी ध्यान देती हैं. उनका मानना है कि सही मात्रा में भोजन करना और शरीर की जरूरत के अनुसार खाना फिटनेस बनाए रखने में मदद करता है.

बंदर' के लिए बॉबी देओल ने नहीं बढ़ाई फीस

पैसे से ज्यादा किरदार था अहम

बॉबी देओल की आगामी फिल्म बन्दर इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है. फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है और अब रिलीज से पहले बॉबी देओल के एक बयान ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है.

अभिनेता ने खुलासा किया है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए अपनी फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं की. बॉबी ने फिल्म से जुड़ने के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि जब कोई प्रोजेक्ट उन्हें एक कलाकार के तौर पर उत्साहित करता है तो पैसों की अहमियत पीछे छूट जाती है. उनके मुताबिक, 'बंदर' में उन्हें एक ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला जो बेहद वास्तविक और जमीन से जुड़ा हुआ है. बॉबी ने कहा कि अक्सर कलाकार बड़े और दिखावटी किरदार निभाते हैं, लेकिन स्क्रीन पर पूरी तरह सामान्य और वास्तविक दिखना कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है. यही चुनौती उन्हें इस फिल्म की ओर खींच लाई.

फिल्म के निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ पहली बार काम करने को लेकर बॉबी देओल ने कहा कि यह अनुभव किसी एक्टिंग वर्कशॉप से कम नहीं था.

शर्वरी और वेदांग के 'मस्कारा' ने मचाया धमाल

डिजिटल दौर में किसी भी गाने या वीडियो की लोकप्रियता का अंदाजा उसके व्यूज़ और सोशल मीडिया पर होने वाली चर्चा से लगाया जाता है. इन दिनों ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है शर्वरी और वेदांग रैना के नए म्यूजिक वीडियो 'मस्कारा' के साथ. रिलीज के बाद से ही यह गाना इंटरनेट पर छाया हुआ है और अब इसने 1 करोड़ व्यूज़ का आंकड़ा पार कर एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.

रोमांस, स्टाइल और शानदार म्यूजिक के मेल से तैयार 'मस्कारा' ने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है. गाने में शर्वरी और वेदांग की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं. दोनों सितारों की मौजूदगी ने वीडियो को और भी आकर्षक बना दिया है, जिसके चलते यह लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड कर रहा है. गाने की सफलता के पीछे इसकी खूबसूरत सिनेमैटोग्राफी, आकर्षक लोकेशंस और दिल को छू लेने वाला संगीत भी बड़ी वजह माना जा रहा है.

मौसम बदलाव से बढ़ा ओलों का खतरा

मौसम का मिजाज दुनिया भर में तेजी से बदल रहा है और इसके असर अब पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं. कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो कहीं अचानक बाढ़ और तूफान तबाही मचा रहे हैं. इसी बदलते मौसम के बीच वैज्ञानिकों ने एक और चिंताजनक ट्रेंड की ओर ध्यान दिलाया है—ओलों का आकार लगातार बढ़ता जा रहा है. जो ओले कभी अंगूर या कंचे जितने होते थे, वे अब कई जगहों पर टेनिस बॉल और यहां तक कि बेसबॉल के आकार तक पहुंच रहे हैं.

इसके पीछे जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज की बड़ी भूमिका है. बढ़ते तापमान के कारण वातावरण में ऊर्जा और नमी की मात्रा बढ़ रही है, जिससे ओलावृष्टि की प्रकृति भी बदल रही है. इसका असर किसानों, वाहनों, मकानों और लोगों की सुरक्षा पर पड़ सकता है. ओले तब बनते हैं जब गरज-चमक वाले बादलों के भीतर तेज ऊपर उठने वाली हवाएं पानी की बूंदों को ऊंचाई तक ले जाती हैं.

वहां अत्यधिक ठंड के कारण ये बूंदें जम जाती हैं और बर्फ के छोटे कण बन जाते हैं. जब ये कण बार-बार बादलों के भीतर ऊपर-नीचे होते हैं तो उन पर बर्फ की नई परतें चढ़ती जाती हैं और उनका आकार बढ़ता जाता है. क्लाइमेट चेंज के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है. गर्म हवा अधिक नमी को अपने भीतर समेट सकती है, जिससे तूफानी बादलों की ताकत भी बढ़ जाती है. ऐसे बादलों में ऊपर उठने वाली हवाएं अधिक शक्तिशाली होती हैं और वे ओलों को लंबे समय तक हवा में बनाए रख सकती हैं.

यदि वैश्विक तापमान वृद्धि की रफ्तार नहीं थमी तो भविष्य में अत्यधिक मौसमीय घटनाएं और भी आम हो सकती हैं. बड़े आकार के ओले इसी बदलती जलवायु का एक संकेत हैं. यह स्थिति केवल मौसम विज्ञान का विषय नहीं बल्कि कृषि, अर्थव्यवस्था और जनजीवन से जुड़ी एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है.

स्पेस मिशन में फिर चमका भारत का नाम

चांद के साउथ पोल पर मिला डाली बर्फ

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है. भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत और तकनीकी क्षमता का प्रतीक चंद्रयान-2 मिशन अब एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि से जुड़ गया है. चांद के दक्षिणी ध्रुव यानी साउथ पोल पर बर्फ की मौजूदगी के संकेत मिलने से वैज्ञानिक जगत में उत्साह का माहौल है. यह खोज न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है.

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को लंबे समय से वैज्ञानिकों की विशेष रुचि का क्षेत्र माना जाता रहा है. यहां ऐसे कई इलाके हैं जहां सूर्य की रोशनी कभी नहीं पहुंचती, जिसके कारण बेहद कम तापमान में बर्फ के सुरक्षित रहने की संभावना बनी रहती है. अब चंद्रयान-2 द्वारा जुटाए गए आंकड़ों ने इस संभावना को और मजबूत कर दिया है.

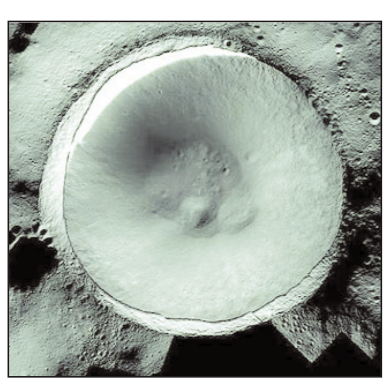

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के चंद्रयान-2 मिशन ने चंद्रमा की सतह और उसके नीचे मौजूद तत्वों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई हैं. वैज्ञानिकों द्वारा किए गए विश्लेषण में दक्षिणी ध्रुव के कुछ क्षेत्रों में जल-बर्फ की मौजूदगी के संकेत मिले हैं. यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भविष्य में चंद्रमा पर मानव मिशन और स्थायी बेस स्थापित करने की योजनाओं के लिए पानी सबसे जरूरी संसाधनों में से एक होगा. यदि चंद्रमा पर पर्याप्त मात्रा में बर्फ मौजूद है तो उसे पीने के पानी, ऑक्सीजन उत्पादन और यहां तक कि रॉकेट ईंधन तैयार करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है. इससे भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की लागत कम हो सकती है और चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव उपस्थिति संभव हो सकती है. चंद्रयान-2 मिशन भले ही अपने लैंडर को सुरक्षित उतारने में सफल नहीं रहा था, लेकिन उसका ऑर्बिटर लगातार चंद्रमा की परिक्रमा करते हुए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े भेज रहा है. यही आंकड़े आज नई-नई खोजों का आधार बन रहे हैं.

वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि चंद्रयान-2 और बाद में सफल रहे चंद्रयान-3 मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को समझने में भारत को अग्रणी देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है. यह उपलब्धि भारत की बढ़ती अंतरिक्ष शक्ति का प्रमाण है. चंद्रमा पर बर्फ की खोज से भविष्य के मिशनों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं और यह साबित हो गया है कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है.

24000 साल बाद जिंदा हुआ यह रहस्यमयी जीव

वैज्ञानिकों ने 24000 पुराने एक प्रागैतिहासिक जीव को फिर से जीवित करने में सफलता पाई है. उन्होंने बताया है कि यह बहुत छोटा जीव आर्कटिक क्षेत्र की पर्माफ्रॉस्ट में लगभग 24000 सालों से फंसा हुआ था. इस जीव को 'बडेलॉइड रोटिफर' कहा जाता है. इस वैज्ञानिक उपलब्धि ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है. इस उपलब्धि ने अस्तित्व, समय और यहां तक कि जैविक सीमाओं के बारे में कई सवाल खड़े किए हैं.

बडेलॉइड रोटिफर जीव को साइबेरिया की बर्फीली जमीन के नीचे दबा हुआ पाया गया था. इसके बाद इसे प्रयोगशाला में इसे फिर से जीवित किया गया. इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि यह जीव न सिर्फ जीवित रहा, बल्कि इसने अपनी संख्या बढ़ाना भी शुरू कर दिया. इस जीव के बारे में स्टडी को 'करंट बायोलॉजी' नाम की साइंस मैगजीन में प्रकाशित किया गया है. '24,000 साल पुरानी आर्कटिक पर्माफ्रॉस्ट से मिला एक जीवित बडेलॉइड रोटिफर' शीर्षक के प्रकाशित इस स्टडी में वैज्ञानिकों ने इस बात की पुष्टि की है कि यह जीव हजारों सालों तक बर्फ में जमे रहने के बाद सफलतापूर्वक फिर से जीवित हुआ और इसने प्रजनन भी किया है.

बडेलॉइड रोटिफर की खोज उत्तर-पूर्वी साइबेरिया से लाए गए पर्माफ्रॉस्ट के नमूनों में हुई. वैज्ञानिकों ने जमीन में काफी गहराई तक छेद किए, जहां की मिट्टी कई शताब्दियों से जमी हुई थी.

दो हिस्सों में बंट रहा है अफ्रीका

धरती पर बनने जा रहा नया महासागर

धरती की सतह स्थिर दिखाई देती है, लेकिन इसके भीतर लगातार ऐसी हलचलें चलती रहती हैं जो करोड़ों वर्षों में पूरी दुनिया का भूगोल बदल सकती हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि अफ्रीका महाद्वीप में इस समय ऐसा ही एक असाधारण बदलाव हो रहा है. यहां धरती की परतों में पड़ रही विशाल दरार धीरे-धीरे महाद्वीप को दो हिस्सों में बांट रही है. यह प्रक्रिया इतनी विशाल है कि भविष्य में इसके कारण एक नया महासागर भी जन्म ले सकता है. इस अनोखी भूगर्भीय घटना ने दुनियाभर के वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है. शोधकर्ताओं के अनुसार अफ्रीका के पूर्वी हिस्से में स्थित ईस्ट अफ्रीकन रिफ्ट सिस्टम पृथ्वी पर चल रही सबसे महत्वपूर्ण टेक्टोनिक प्रक्रियाओं में से एक है. यही वह क्षेत्र है जहां महाद्वीप का एक हिस्सा धीरे-धीरे दूसरे हिस्से से अलग हो रहा है.

यह बंटवारा सोमालियन प्लेट और नूबियन प्लेट के बीच हो रहा है. सोमालियन प्लेट अफ्रीका के पूर्वी भाग को अपने साथ लिए हुए है, जबकि नूबियन प्लेट महाद्वीप के बड़े हिस्से को संभाले हुए है. दोनों प्लेटें धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर खिसक रही हैं. हालांकि यह गति बेहद धीमी है और हर साल केवल कुछ मिलीमीटर की दूरी बढ़ती है, लेकिन भूगर्भीय समय के पैमाने पर यह एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जाता है. इथियोपिया का अफार क्षेत्र इस प्रक्रिया का केंद्र है. यहां तीन प्रमुख रिफ्ट सिस्टम इथियोपियन रिफ्ट, रेड सी रिफ्ट और गल्फ ऑफ अदन रिफ्ट एक दूसरे से मिलते हैं.

यदि यह प्रक्रिया इसी तरह जारी रही तो लाखों वर्ष बाद अफ्रीका का पूर्वी हिस्सा मुख्य महाद्वीप से पूरी तरह अलग हो सकता है. इसके बाद समुद्री जल इस दरार में भर जाएगा और एक नए महासागर का निर्माण होगा. इससे अफ्रीका का भूगोल पूरी तरह बदल सकता है और दुनिया के मानचित्र में एक नया समुद्री क्षेत्र जुड़ सकता है. हालांकि यह बदलाव इंसानी जीवनकाल में दिखाई नहीं देगा, लेकिन वैज्ञानिकों के लिए यह पृथ्वी की गतिशील प्रकृति को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है. अफ्रीका में बढ़ती यह दरार हमें याद दिलाती है कि हमारी पृथ्वी लगातार बदल रही है और भविष्य में इसका स्वरूप आज से बिल्कुल अलग हो सकता है.